# सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है

सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है,
मैया ने भुलाया है दरबार को जाना है,
सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है

ज़न्मो की प्यास मेरी आज मिट जायेगी,
चिंतपूर्णी मात मेरी मेरे पास आएगी,
ना मैया ने रूठना है ना मैंने मनाना है,
सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है

माँ के भगतो माँ से मांग लो आज दाती मेहरबान है,
आज माँ का ध्यान लगा लो आज माँ को सबका ध्यान है,
कोई खाली नही जायेगा आज भगवती ने ठाना है,
सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है

दर पे सब खड़े होंगे मैं भी खड़ा हूँगा,
सब के साथ चरणों में मैं भी पड़ा हूँगा,
सब के दिल की जाने माँ क्या सुनना सुनाना है,
सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है

जिस पर हो तेरी किरपा उसे कोई मिटा न सके,
तूने जिसको मिटाया है माँ उसे कोई बना न सके,
तेरी माया को कया समजे चंचल तो दीवाना है,
सावन का महिना है मौसम भी सुहाना है

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11545/title/sawan-ka-mahina-hai-mosam-bhi-suhana-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |